



जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. बी.एस. द्विवेदी
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक— 99
दिनांक—16.10.2026

खाद्य संकट से निपटने हेतु कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाने व खाद्य पदार्थों की उपलब्धता को सुदृढ़ करना आवश्यक— कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा

जनेकृतिवि में विश्व खाद्य दिवस पर खाद्य सुरक्षा,स्पाइरुलिना आधारित उत्पाद पर चर्चा

जबलपुर 16 अक्टूबर, 2026। विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग में विश्व खाद्य दिवस की इस वर्ष 2026 की थीम “आज नवाचार करें, कल का पोषण सुनिश्चित करें” पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा के मुख्यअतिथि में एवं अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे की अध्यक्षता और अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, जबलपुर डॉ. अल्पना सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में अधिष्ठाता उद्यानिकी संकाय डॉ. स्वाती बारचे, संचालक अनुसंधान सेवाएं डॉ. ए.के. जैन,संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. टी.आर.शर्मा, उपलेखानियंत्रक डॉ. अजय खरे, प्रभारी संचालक शिक्षण डॉ. संजीव गर्ग, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. विकास सिंह चौहान, मुख्य वैज्ञानिक, केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (CFTRI) मैसूर एवं फुड साइंस विभाग से सेवानिवृत्त डॉ. एल.पी.एस.राजपूत उपस्थित रहे। मुख्यअतिथि कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा ने अपने उद्बोधन में सतत कृषि उत्पादन की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। आपने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में विभिन्न क्षेत्रों में जारी युद्धों एवं भू-राजनीतिक तनावों के कारण खाद्य आपूर्ति श्रृंखला, कृषि उत्पादन और खाद्य उपलब्धता के समक्ष नई चुनौतियां उत्पन्न हो रही हैं। ऐसी परिस्थितियों में खाद्य संकट से निपटने के लिए कृषि उत्पादन को टिकाऊ बनाना, प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना तथा खाद्य पदार्थों की उपलब्धता और वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ करना अत्यंत आवश्यक है। कुलपति डॉ. मिश्रा ने इस बात पर भी जोर दिया कि भविष्य की खाद्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वैज्ञानिकों को कृषि पद्धतियों, तकनीकी नवाचारों, संसाधनों के कुशल उपयोग और खाद्य अपव्यय को कम करने पर विशेष ध्यान देना होगा।

खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की विभागाध्यक्ष ‘डॉ. अनुभा उपाध्याय’ के कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन दिया। डॉ. उपाध्याय ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्व खाद्य दिवस की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला और कहा कि खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में नवाचार, खाद्य गुणवत्ता, सुरक्षित प्रसंस्करण और पोषण संवर्धन के माध्यम से समाज में खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को सुदृढ़ किया जा सकता है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. विकास सिंह चौहान, मुख्य वैज्ञानिक ने अपने व्याख्यान में स्पाइरुलिना के उपयोग तथा इससे मूल्यवर्धित खाद्य उत्पादों के विकास की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। आपने स्पाइरुलिना को पोषक तत्वों से समृद्ध एक महत्वपूर्ण खाद्य संसाधन बताते हुए इसके उपयोग से पौष्टिक खाद्य उत्पाद विकसित करने, खाद्य पदार्थों के पोषण मूल्य में वृद्धि करने तथा नवाचार आधारित उत्पाद विकास की संभावनाओं को रेखांकित किया। डॉ. चौहान ने बताया कि स्पाइरुलिना का उपयोग खाद्य प्रसंस्करण, पोषण संवर्धन, अनुसंधान और उद्यमिता के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान कर सकता है। डॉ. एल.पी.एस.राजपूत ने विश्व खाद्य दिवस की इस वर्ष 2026 की थीम “आज नवाचार करें, कल का पोषण सुनिश्चित करें” के अनुरूप कार्यक्रम में खाद्य सुरक्षा, पोषण संवर्धन, नवीन खाद्य उत्पादों के विकास तथा सतत कृषि उत्पादन की महत्ता पर प्रकाश डाला।

अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे ने खाद्य पदार्थों के वैज्ञानिक प्रसंस्करण, सुरक्षित भंडारण, गुणवत्ता नियंत्रण, पोषण संवर्धन और मूल्य संवर्धन के महत्व पर चर्चा की। आपने विद्यार्थियों को खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता के माध्यम से खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान खाद्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा संचालित एनएबीएल मान्यता प्राप्त क्रॉप क्वालिटी लेबोरेटरी का आज कुलपति पी. के. मिश्रा द्वारा विधिवत उद्घाटन किया गया। यह प्रयोगशाला कृषि उत्पादों एवं खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता परीक्षण सेवाओं को सुदृढ़ करने तथा निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप विश्वसनीय परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रयोगशाला की NABL मान्यता से विश्वविद्यालय की अनुसंधान एवं परीक्षण क्षमताओं को नई मजबूती मिलेगी तथा किसानों, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों एवं अन्य हितधारकों को गुणवत्तापूर्ण परीक्षण सेवाओं का लाभ प्राप्त होगा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. अपर्णा शर्मा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. आर. एस. ठाकुर, कोषाध्यक्ष, AFSTI जबलपुर चौप्टर द्वारा किया गया।

इस अवसर पर डॉ. बी.के. दीक्षित, डॉ. दीपक राठी, डॉ.रजनी बिसेन, डॉ. नम्रमा जैन, डॉ. कीर्ति तंतुवाय, डॉ. बी.एस.द्विवेदी फुड साइंस विभाग से सेवानिवृत्त डॉ. रवि अग्रवाल, डॉ. प्रतिभा परिहार,डॉ. अर्चना पांडे सहित प्राध्यापक, वैज्ञानिक,कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।